के कारण दुराचारी लोग या अपराधी सजा नहीं पाते हैं। इसी कारण कई बार राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी टाल देती है और रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स भी अपनी जिम्मेदारी टाल देती है। जब मुलजिम बच जाता है, तो कहते हैं कि राज्य सरकार का विषय है। मैं यह जानना चाहता हूं कि इन दोनों का को-आर्डिनेशन कब होगा ? अगर दोनों मिलकर एक पुलिस काम करेगी तो इसका उपयोग ज्यादा हो सकेगा, इसके बारे में क्या राय है ?

श्री बूटा सिंह: रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स और जी० आर० पी० का मेल है। इस बारे में रेलवे मंत्री ने मुख्य मंत्रियों को बुला कर परामर्श भी किया है।

वफादार रेल कर्मचारियों (पूर्वोत्तर रेलवे) के पुत्रों की नियुक्ति

*6. श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पूर्वोत्तर रेलवे में मार्च, 1976 के पूर्व कितने वफादार रेलवे कर्मचारियों के पुत्रों ने अपनी नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र दाखिल किये थे ;

(ख) उक्त रेलवे में कितने व्यक्ति नियुक्त किये गये तथा नियुक्तियों का डिवीजन-वार ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या इन नियुक्तियों में हरिजनों, अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़ी जातियों के उम्मीदवारों को भी सम्मिलित किया गया है ; और

(घ) यदि हां, तो उनकी डिवीजन-वार संख्या क्या है ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) to (d). A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) Approximately 9000 applications.

(b) The number of appointments made is as follows :

Izatnagar	252
Lucknow	175
Varanasi	82
Samastipur	178
Headquarters	415
Total	1102

(c) Yes, Sir.

	S.C.	ST
(d) Izatnagar	27	1
Lucknow	20	
Varanasi	7	
Samastipur	21	
Headquarters	44	
Total	119	1

श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव : मैं यह जानना चाहता हूं, जैसे कि मंत्री महोदय ने विवरण में दिया है कि लगभग 9,000 आवेदन-पत्र लायल वर्कर्स के सन्स की तरफ से ए० ई० रेलवे में दिये गये, तो जिलेवार और डिवीजन-वार जो नियुक्तियां की गई हैं, उनमें कौनसा क्राइटेरिया या नियम रखा गया जिसके कारण 9,000 में से 1102 लोग नियुक्त किये गये ? किस नियम के अन्तर्गत यह नियुक्तियां हुईं ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : इसका नियम यह था कि रेलवे के एक जोन में जितनी जगहें खाली हैं उसका 20 परसेन्ट लायल एम्प्लाईज के बच्चे-

कर्मियों या वारिसों को दिया जायेगा । यही नियम सभी डिवीजनों में लागू हुआ है । नार्थ-ईस्टर्न रेलवे में 1102 जगहें पूरी की गई हैं । इनमें तकरीबन 9,000 लोगों ने दरख्वास्तें दी थीं । नियम यही है कि खाली जगहों का 20 प्रतिशत इनमें से पूरा किया जाना चाहिये ।

श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव : बहुत से ऐसे रेलवे एम्प्लाईज हैं, जिनको स्ट्राइक के दौरान गालियां खानी पड़ी और मार सहनी पड़ी, लेकिन उन सभी के लड़कों को न लेकर अफसरों ने जिनको चाहा, जिस तरह पर चाहा, नियुक्तियां कीं । इस विवरण में यह भी आया है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का जो अनुपात है उसमें भी अनुसूचित जनजाति मे से केवल एक को लिया गया है । अनुसूचित जाति मे भी इनका परसेंटेज होना चाहिए था उसके हिसाब से कम-से-कम 170, 175 होना चाहिये था लेकिन सिर्फ 119 नियुक्तियां हुई । समस्तीपुर सब-डिवीजन के केवल 178 लोगों को लिया गया । वहा के डिप्टी डी० एस० जो हैं, उन्होंने अपने मन से नियुक्तियां की हैं, चाहे उन लोगों के पिता लायल वर्कर हैं या नहीं, पिता रेलवे मे काम करते थे या नहीं । उदाहरण स्वरूप मैं बताता हूं कि एक कृष्णा कुमारी का उन्होंने एप्वाइन्टमेंट किया है, जिसके पिता न तो उनके यहां हैं और न वे सर्विस कमीशन से आये हैं । इस तरह की नाजायज नियुक्तियां वे बराबर किया करते हैं । समस्तीपुर सब-डिवीजन मे इसके कारण लायल वर्कर्स मे काफी क्षोभ है कि उनके लड़कों को नोकरी मे नही लिया गया, उन्होंने स्ट्राइक के पीरियड म सरकार के प्रति वफादारी का परिचय दिया है । इसी प्रकार दीपुर में एसिस्टेंट स्टेशन मास्टर हैं उन्होंने मामली रकम पर मारपीट की । इस तरह से लायल वर्कर्स की जगह पर कृष्णा कुमारी की नियुक्ति इन्होंने की, मैं यह जानना चाहता हूं कि यह किस तरह से की है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : जिन रेलवे कर्मचारियों ने 1974 की हड़ताल में वफादारी से काम किया था, उन्हें चार किस्म के कन्सेशन दिये गये हैं । या तो वे कैश अवार्ड लें, या अपनी सर्विस में एक्सटेंशन लें या अपनी तनख्वाह में इन्क्रीमेंट लें या बच्चों की नौकरी तलाश कर लें । सभी कर्मचारियों के बच्चों को नौकरी देना नामुमकिन है । बाकी तरीके से जो सरविसेज की सराहना की गई है वह मैंने बताया है कि किस तरह से की है ।

यह ठीक है, इस पार्लियामेंट में कई बार यह प्रश्न उठा भी है कि कुछ अफसरों ने क्लास 3 और क्लास 4 के कर्मचारियों की जगहों पर अपने लड़कों को भी नौकरी दी है । जाच करने पर यह पता चला है कि 13 हजार वार्ड्स को नौकरी दी गई हैं जिसमें से तकरीबन 2,000 शैड्यूल्ड कास्ट्स के हैं और 550 . . . . .

अध्यक्ष महोदय : यह पूरे मुल्क का बता रहे हैं ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी . जी हां ।

अध्यक्ष महोदय : नार्थ-ईस्टर्न रेलवे का क्या है, वह बताइये ।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : नार्थ-ईस्टर्न मे 1102 टोटल एम्पलायमेंट दी गई हैं, जिसमे से शड्यूल्ड कास्ट्स को 119 और शैड्यूल्ड ट्राइब्स को 1 ही है । शैड्यूल्ड ट्राइब्स के बारे मे यह कंडीशन रखी गई है कि अगर उनके लड़के-लड़की एवेलेबल न हों तो उनके किसी भी रिश्तेदार को नौकरी दी जा सकती है ।

श्री रामावतार शास्त्री : उत्तर में 1102 वफादार कर्मचारियों के पुत्र-पुत्रियों को नौकरी देने की बात कही गई है । क्या मंत्री महोदय यह बतायेंगे कि क्या ये लोग सचमुच पुत्र-पुत्रियां ही हैं, या कोई दूसरे रिश्तेदार भी हैं ? मैं जानना चाहता हूं कि पूर्वोत्तर रेलवे में वफादार कर्मचारियों के नाम पर प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों के कितने पुत्र-पुत्रियों या दूसरे रिश्तेदारों को भर्ती किया गया है । क्या मंत्री महोदय यह भी बतायेंगे कि क्या इन 1102 लोगों में कोई मुसलमान वफादार कर्मचारियों के लड़के-लड़कियां भी हैं, अगर हां, तो उन की संख्या क्या है और अगर नहीं, तो इस का कारण क्या है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : माननीय सदस्य का पहला सवाल यह है कि जिन बच्चों को, पुत्र-पुत्रियों को, मुलाजिमत दी गई हैं, क्या वे जायज़ हैं । उन के मां-बाप ने उनके जायज़ होने की तस्दीक की है ।

श्री रामावतार शास्त्री : मंत्री महोदय मेरे प्रश्न को नहीं समझे । मैंने यह पूछा है कि क्या दूसरे रिश्तेदारों को भी नौकरी दी गई है, क्योंकि नियम तो केवल पुत्र-पुत्रियों को ही नौकरी देने का है ।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि कितने अफसरों के बच्चों को नौकरी मिली है, तमाम रेलवे में ज्यादा से ज्यादा 200 केसिज ऐसे हैं, जहां क्लास टू के अफसरों—जो पहले क्लास थ्री में काम करते थे, और जिनको प्रोमोशन मिला है—के बच्चों को नौकरी दी गई है । जहां तक माइनारिटी कम्युनिटीज का सवाल है, 1102 में क्लास थ्री में 34 और क्लास फोर में 97 जगहें, यानी कुल 131 जगहें, मुसलमानों और क्रिश्चियन्ज को दी गई हैं ।

श्री डी० एन० तिवारी : रेलवे मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों में आशा तो बहुत बढ़ा दी—उस का ऐलान था कि जितने कर्मचारी लायल रहेंगे, उन के बच्चों को नौकरी दी जायेगी और दूसरे बेनिफिट्स दिये जायेंगे—, लेकिन वह कुछ कर नहीं सका । मुश्किल से शायद 1 परसेंट लोग लिये गये हैं जिस के कारण बहुत निराशा है । इस बारे में दो तीन किस्म की प्रक्रिया अपनाई गई है । कुछ लोग तो सीधे जी० एम० के द्वारा एपायंट किये गये हैं और कुछ लोग सीधे डी० एस० के द्वारा एपायंट किये गये हैं । कुछ लोगों का एक्जामिनेशन हुआ है और उन की कापियां जी० एम० के पास गई हैं । उस में बहुत घोटाला हुआ है । जिन लोगों ने 600, 700 नम्बर प्राप्त किये, उन को तो नौकरी नहीं दी गई, जब कि कम नम्बर वालों को नौकरी दे दी गई । जो लोग सीधे ले लिये गये, उन के बारे में तो मुझे कुछ नहीं कहना है, लेकिन जो लोग परीक्षा में बैठे और जिन्होंने अच्छे नम्बर प्राप्त किये, उन को न ले कर कम नम्बर वालों को ले लिया गया, क्या मंत्री महोदय इस बात को जांच कर के लोगों को तसल्ली देंगे ।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : नार्थ-इस्टर्न रेलवे में जहां तक क्लास थ्री का सवाल है, उन की दरख्वास्तें हैडक्वार्टर में मंगाई गई थीं और बाकायदा जांच के बाद उन को लिया गया । क्लास फोर के लिए डिविजन में टैस्ट बगैर लिया गया । लेकिन अगर कोई ऐसा केस है कि किसी कर्मचारी के वार्ड का इम्तहान हुआ है, और उसके कामयाब होने के बावजूद किसी कम नम्बरों वाले लड़के को लिया गया है, तो हम उस की जांच करेंगे ।

श्री भागवत झा आजाद : जिन बातों का इजहार माननीय सदस्यों ने किया है, उन्हीं के आधार पर मैंने पिछले रेलवे बजट के समय यह मांग की थी कि इस सम्बन्ध में जांच करने के लिए एक समिति बनाई

जाये । उसके कारण मेरे पास अनेकों दरख्वास्तें आई, जिन में इस आशा की बातें कही गई कि मैं लायल वर्कर हूं, लेकिन मेरे बच्चों को नौकरी नहीं मिली है । मैं ने उन सब को रेलवे मंत्रालय को भेज दिया है, लेकिन उन मे से एक का भी जवाब नहीं मिला है, सिवाये इस बात के कि हमने लायल वर्कज को नौकरी दी है । स्थिति यह है कि जनरेल-मैनेजर और डी० एम० के स्तर पर ज्यादा गोलमाल हुआ है । एक महीना पहले श्री कुरेशी की ओर से मुझे एक पत्र मिला, जिस मे यह बताया गया कि लगभग 300 पुत्र-पुत्रियों को रेलवे म नौकरी मिली है । मैं यह जानना चाहता हू कि इस के अलावा उन्होंने अपने सगे सम्बन्धियो को कितनी नौकरिया दी है । क्या यह सच है कि लायल वर्कज के नाम पर क्लास थ्री मे एडहाक एपायटमेंट्स हुए है, यदि हा तो कितने ये एडहाक एपायटमेंट्स क्यो किये गये हैं ? क्या मंत्री महोदय इन सब बातो की जाच कराने के प्रश्न पर विचार करेंगे ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : लायल एम्पलाईज का सवाल यहा बहुत दफा उठा है और काफी वजाहत के साथ हाउस के सामने तमाम वाक्यात रखे गये है । अगर किसी के साथ बेइन्साफी हुई हो, तो उस की पूरी जाच कराई जायेगी । मुश्किल यह थी कि हम सब रेलवे कर्मचारियो के बच्चो को तो नौकरी दे नही सकते थे । लेकिन ज्यादा से ज्यादा जितने कर्मचारियो को नौकरिया दी जा सकी, उन को नौकरिया दी गई । यह ठीक है कि कुछ एडहाक एपायटमेंट्स हुए हैं, लेकिन उस मे यह तरीका रहेगा कि रेलवे सर्विस कमीशन के जरिये कनफर्म होने पर ही उन को नौकरी दी जायेगी ।

श्री भागवत झा आजाद : एडहाक एपायंटमेंट्स क्यों हुए हैं ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : यह उन की पावर मे है ।

SHRI DINEN BHATTACHARYYA: In the Minister's statement it is mentioned that something has been done in the case of the loyal employees. Does it mean that the other employees are not loyal? What is their stand? Secondly, has employment been given to the sons and relatives of these loyal employees who helped the government to break the strike, denying the claims of the *bona fide* persons who had otherwise qualified themselves for employment?

SHRI MOHD SHAFI QURESHI: The definition of loyal employees is those employees who saved the country from going towards chaos and confusion And they did not listen to the dictates of those un-social elements who were out to destroy the economy of the country. Those people who have been found to be guilty of participating in the illegal strike and indulging in sabotage and violence will have no place in the Railways.

Agencies of Cooking Gas produced by Caltex and Hindustan Petroleum Corporation

*7 SHRI K. SURYANARAYANA: Will the Minister of PETROLEUM be pleased to state.

(a) whether the wholesale agencies for cooking gas produced by M/s Caltex India Limited and M/s Hindustan Petroleum Corporation is under the monopoly of only two or three concerns in the country from the very beginning; and

(b) if so, the rate per ton at which the wholesalers lift LPG in bulk from the refineries; the rate per ton at which the wholesalers sell the cylin-